Unit I

Stages of Development

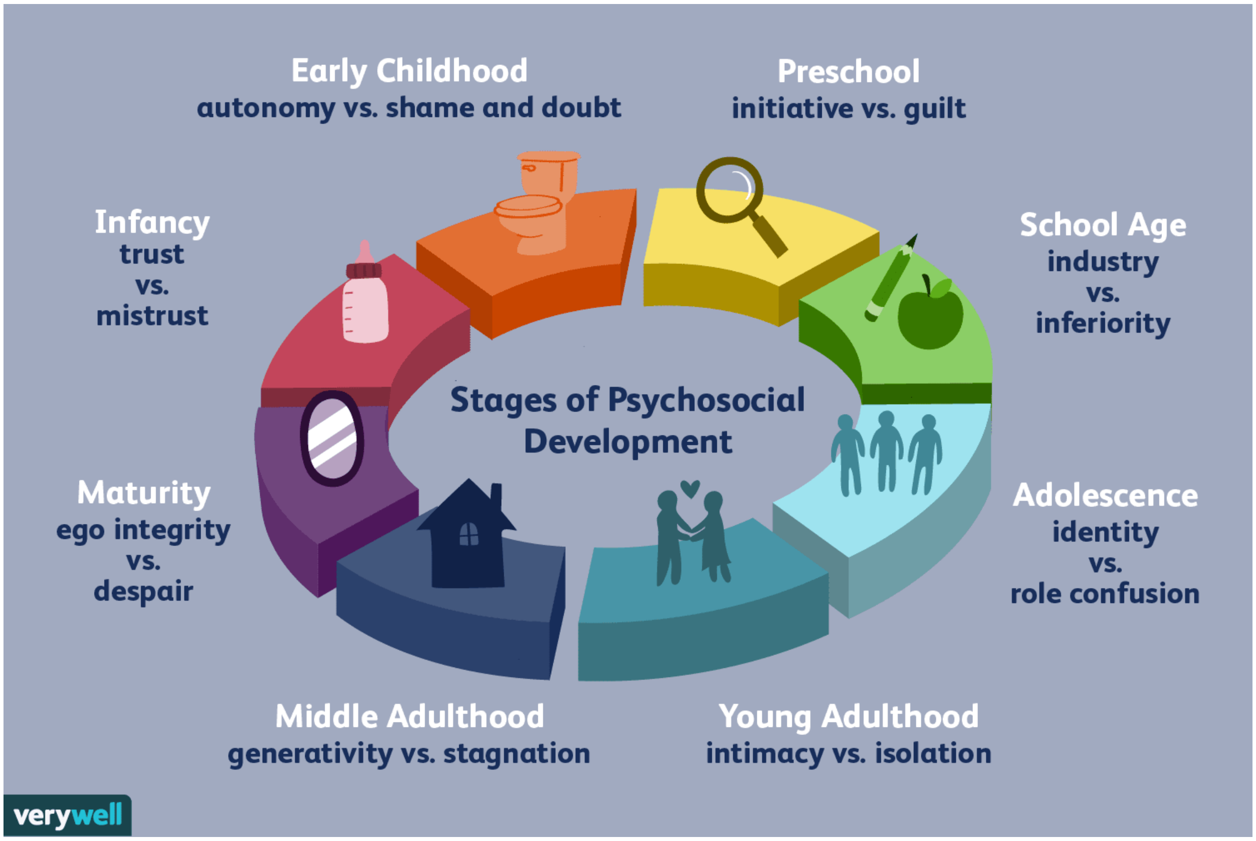

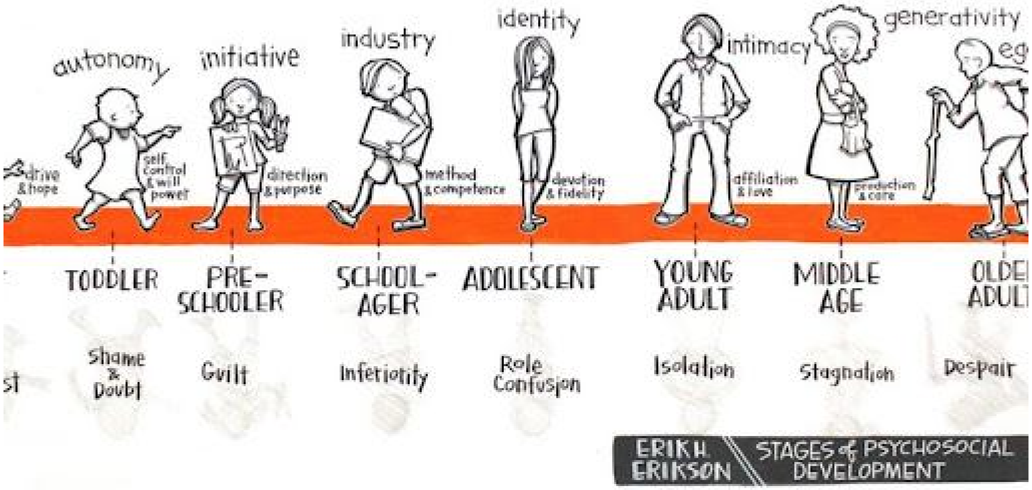

वृध्दि	विकास
वृध्दि विकास की प्रक्रिया का एक चरण है एवं इसका क्षेत्र सीमित होता है ।	विकास शब्द अपने आप में एक विस्तृत अर्थ रखता है वृद्धि इसका एक भाग मात्र है ।
वृध्दि की प्रक्रिया आजीवन नहीं चलती है एक निश्चित उम्र पर शारीरिक वृद्धि रुक जाती है ।	विकास एक सतत प्रक्रिया है यह चलती रहती है ।
वृध्दि शब्द का प्रयोग परिणात्मक परिवर्तन हो जैसे बच्चों के बड़े होने उनका आकार बढ़ने लंबाई के लिए होता है ।	विकास शब्द का प्रयोग परिणात्मक परिवर्तनों के साथ साथ-व्यवहारिक परिवर्तनों जैसे कार्यकुशलता, कार्यक्षमता तथा व्यवहार में सुधार इत्यादि के लिए भी होता है ।

वृद्धि और विकास में कुछ प्रमुख अंतर हैं जो इस प्रकार हैं-

1- वृद्धि और विकास में अंतर की कड़ी में पहला अंतर तो यही है कि वृद्धि या अभिवृद्धि सिर्फ शारीरिक होती है जबकि विकास शाररिक, मानसिक, चारित्रिक, सामाजिक आदि होता है।
3- वृद्धि परिमाणात्मक होती है जबकि विकास गुणात्मक होता है।

4- वृद्धि एक समय के बाद रुक जाती है जबकि विकास जीवनपर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है।

5- वृद्धि और विकास की निरन्तरता (continuity of growth and development) वृद्धि लगातार नहीं चलती बल्कि शिशुकाल में तीव्र गति से और उसके बाद धीमी हो जाती है। लेकिन विकास की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। वह रूकती नहीं है ।

तो दोस्तों ये थे 5 प्रमुख अंतर। आप इतना अच्छे से याद कर लें, समझ लें आपको बहुत मदद मिलेगी। आप अपने दोस्तों की भी हेल्प कर सकते हैं उनसे इस आर्टिकल को शेयर करके। इसके लिए आपको शेयर बटन में जाकर शेयर करना होगा।

वृद्धि(growth)	**विकास(development)**
वृद्धि शब्द परिणात्मक परिवर्तनों (Quantitative changes) के लिए प्रयोग में लाये जाते है।जैसे जब बालक की उम्र बढ़ती है तो उसके साथ उसकी लंबाई चौड़ाई भी बढ़ती है जिसे हम वृद्धि कहते है।	**विकास शब्द का प्रयोग गुणात्मक परिवर्तन के लिए प्रयोग में लाया जाता है, जैसे बालक में कार्यकुशलता, कार्यक्षमता आदि की वृद्धि होती है तो विकास शब्द का प्रयोग किया जाता है।**
वृद्धि विकास का एक छोटा रूप है, विकास की सतत प्रक्रिया में यह एक छोटा सा चरण है।	**विकास शब्द एक विस्तृत शब्द है। वृद्धि विकास का ही भाग है।**
वृद्धि की प्रक्रिया जीवनपर्यंत नही चलती है। बालक के पूर्ण परिपक्व होने की स्थिति में यह	**विकास जीवन पर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है, वृद्धि की तरह बालक के**

प्रक्रिया समाप्त हो जाती है।	परिपक्व होने पर यह समाप्त नही होती है।
वृ द्धि में होने वाले जो परिवर्तन है उसे सामान्य रूप से जीवन मे देखा जा सकता है ।	विकास को सामान्यतः देखा नही जा सकता है। क्योंकि व्यक्ति के जीवन मे यह अप्रत्यक्ष रूप में होते है।
वृ द्धि को हम माप भी सकते है।	विकास को सामान्यतः मापन कठिन है।